भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 4504
गुरुवार, 27 मार्च, 2025/6 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानन अवसंरचना और गतिविधियों में वृद्धि

4504. श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने अगले पांच वर्षों के दौरान देश में हवाई यात्रियों की संख्या में संभावित वृद्धि के संबंध में कोई अध्ययन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) अगले पांच वर्षों के दौरान, विशेष रूप से महाराष्ट्र के लिए, उड़ानों की संख्या में वृद्धि किए जाने की संभावना का ब्यौरा क्या है:

(ग) अगले पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र सहित देश भर में कितने हवाई अड्डों का निर्माण प्रस्तावित है; और

(घ) अगले पांच वर्षों के दौरान बुनियादी ढांचे, जनशक्ति, उड़ान मार्गों और सुरक्षा लेखापरीक्षा में प्रस्तावित वृद्धि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): सरकार ने अगले पांच वर्षों में विमानन क्षेत्र के अपेक्षित विकास पर कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं किया है, तथापि, मंत्रालय ने यात्रियों की संख्या, विमान बेड़े और हवाईअड्डा क्षमता में विकास का अनुमान निम्नानुसार लगाया है:

मीट्रिक	वित्त वर्ष 2024	वित्त वर्ष 2029 (अनुमानित)
हवाई यात्री (मिलियन में)	222	400
विमान बेड़े का आकार (संख्या)	813	1300
हवाईअड्डे की क्षमता (एमपीपीए)	550	800

अगले पांच वर्षों में, यातायात पूर्वानुमान के अनुसार महाराष्ट्र में अवस्थित निम्नलिखित एएआई हवाईअड्डों में विमानों की आवाजाही की संभावना निम्नानुसार है:

हवाईअड्डा	विमान आवाजाही (हजारों में);
औरंगाबाद	8.71
कोल्हापुर	6.53
पुणे	114.46

(ग) और (घ): भारत सरकार ने 21 नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों की स्थापना के लिए 'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्रदान किया है। इनमें से 12 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों, अर्थात दुर्गापुर, शिरडी, कन्नूर, पाक्योंग, कलबुर्गी, ओर्वाकल (कुरनूल), सिंधुदुर्ग, कुशीनगर, ईटानगर, मोपा, शिवमोग्गा और राजकोट का प्रचालन शुरू हो चुका है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (ग्रीनफील्ड) का विकास महाराष्ट्र सरकार के सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ महाराष्ट्र लिमिटेड (सिडको) द्वारा किया जा रहा है।

उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना के अंतर्गत, असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों/ हवाईपट्टियों का विकास/ पुनरुद्धार/ उन्नयन, वैध बोली के माध्यम से उन्हें चिह्नित करने और चयनित एयरलाइन प्रचालक (एसएओ) को अवार्ड करने के पश्चात किया जाता है।

महाराष्ट्र सरकार के महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के स्वामित्व वाले अमरावती हवाईअड्डे को 'उड़ान' योजना के तहत बोली प्रक्रिया के तीसरे दौर के दौरान चिह्नित किया गया था। हवाईअड्डे को अनुसूचित उड़ान परिचालन के लिए लाइसेंस दिया गया है। रत्नागिरी हवाईअड्डे को 'उड़ान' योजना के तहत चिह्नित किया गया था और इसका विकास कार्य अभी प्रगति पर है।

हवाईअड्डों पर अवसंरचना का विस्तार और विकास एक सतत प्रक्रिया है और यात्री मांग के पूर्वानुमान, विमान परिचालन की सुरक्षा के लिए परिचालन अपेक्षाओं और भूमि की उपलब्धता, वित्तीय व्यवहार्यता के साथ-साथ वांछित विमान परिचालन से संबंधित अन्य सुविधाओं पर आधारित एयरलाइनों की मांग के आधार पर समय-समय पर किया जाता है। हवाईअड्डा परियोजनाओं की समयसीमा विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है जैसे भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य क्लीयरेंस, बाधाओं को दूर करना, संबंधित हवाईअड्डा विकासकर्ताओं द्वारा वित्तीय प्रावधान, आदि। जनशक्ति, सुरक्षा और विमानन पारिस्थितिकी तंत्र के आनुषंगिक रूप से बढ़ने की संभावना है।

*****